बदलाव

बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एलान ने तेज की गतिविधियां

# बीडा में 40 कंपनियों ने मांगी जमीन

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। नोएडा की तर्ज पर विकसित होने वाले बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) को लेकर निवेशकों ने रुचि दिखाई है। बीडा के गठन की घोषणा के साथ ही 40 से ज्यादा कंपनियों ने इस क्षेत्र में जमीन की मांग की है। इनमें निर्माण क्षेत्र, वाहन विनिर्माण, फार्मा, सोलर उपकरणों के निर्माण और लॉजिस्टिक के बड़े नाम हैं। बुंदेलखंड में सस्ती जमीन व सस्ते श्रम के साथ बेहतर कनेक्टिविटी ने यहां के कायाकल्प का तानाबाना बुन दिया है।

बुंदेलखंड के विकास की नींव बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे ने रख दी थी। इस नींव पर बीडा को खड़ा किया जा रहा है। 47 साल बाद पहली बार है

कि इस तरह का औद्योगिक विकास प्राधिकरण बनाया गया है। परियोजना के पहले चरण में झांसी के 33 राजस्व गांवों की 35 हजार एकड़ का अधिग्रहण करके एक औद्योगिक शहर को स्थापित किया जाएगा। जमीन की कीमत 6,312 करोड़ रुपये है। बीडा की स्थापना के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 में 5000 करोड़ रुपये का प्रावधान पहले ही किया जा चुका था। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में ऐतिहासिक किलों को हेरिटेज होटल में बदला जाएगा। विंध्य

### भूमि अधिग्रहण का काम होगा तेज, निवेशकों ने दिखाई रुचि

**35000**

### एकड़ पर स्थापित किया जाएगा औद्योगिक शहर

व बुंदेलखंड में एडवेंचर स्पोर्ट्स शुरू किए जाएंगे। पर्यटन विभाग के अतिथि गृहों को चलाने के लिए निजी क्षेत्र को लीज पर दिया जाएगा।

औद्योगिक विकास विभाग के सूत्रों के मुताबिक बीडा के औपचारिक गठन से निवेशकों का भरोसा मजबूत हो गया है। यही वजह है कि करीब 40 बड़े और मध्यम उद्योग समूहों ने यहां जमीन की मांग की है। करीब 16 कंपनियों के प्रमुख अगले एक माह में यहां का दौरा करने वाले हैं। इसे देखते हुए भूमि अधिग्रहण में तेजी लाई जाएगी।

**इससे पहले वैश्विक निवेशक सम्मेलन में बुंदेलखंड क्षेत्र में निवेश के लिए 424 करार हुए थे। इनसे करीब पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता खुला था।**

- झांसी में 1,35,865 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 216, जालौन में 49,673 करोड़ रुपये के निवेश के 61 और ललितपुर में 32,960 करोड़ रुपये के निवेश 86 एमओयू हुए हैं।
- महोबा में 23,266 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 94 करार किए गए हैं।